



आरत का गज़त The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 233]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 13, 1990/ज्येष्ठ 23, 1912

N. 233]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 13, 1990/JYAISTHA 23, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल-भूतल पीरवहन संचालन

(पत्रन पथ)

नई दिल्ली, 13 जून, 1990

मानकान्वित 571 कोटि सरकार महापलतन स्वास अधिनियम
(1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ
विट्ठन धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग
करते हुए, जवाहर लाल पत्तन स्वासी मंडल द्वारा बनाए गए और इस
प्रधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में जवाहर लाल नेहरू पोर्ट (पोत
चालकों को शनिवार देना एवं नियन्त्रण करना) विनियम 1990 का अनु-
प्रोत्तर करनी है।

2. उस्तु विनियम, इस प्रधिसूचना के सरकारी राज्यसभा में प्रकाश
की तारीख को प्रवृत्त होगी।

[फा. सं. पी. प्रार. -12012/8/890०. ई.]

एस. एन. कांकड़, संयुक्त सचिव

अनुसूची

भारत सरकार द्वारा अनुमोदित जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट, स्पार्टो
वोर्ड प्रमुख पोर्ट ट्रस्टों के अधिनियम 1963 (1963 का 38) का धारा
24 की उपधारा के साथ पठित धारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग
करते हुए उपर्युक्त अधिनियम की धारा 124 की उपधारा (1) के प्रत्यार्गत
निम्नलिखित विनियमन करता है।

1. संविधान शीर्षक एवं प्रारम्भ :

(1) ये विनियम जवाहरलाल नेहरू पोर्ट (पोत चालकों को अनुका
देना एवं नियन्त्रण करना) विनियम 1990 के नाम से जाला
जाएगा।

परिमाणाएँ—हन विनियमों में, जब तर कि संदर्भ के प्रत्यक्षा अपे-
क्षित न हो :—

(1) “बोर्ड” “बेयरमैन” “किट्टी बेयरमैन” का अभिप्राय वही
होगा जैसा कि प्रमुख पोर्ट ट्रस्टों के अधिनियम 1963 (1963
का 38) में दिया गया है।

(2) अनिवार्य जलपोत चालने की जल सीमाओं का अभिप्राय भारतीय
पोर्टों के अधिनियम 1908 (1908 का 15) की धारा
4 का, उपधारा (2) के प्रत्यार्गत परिसाधित सीमाओं से है।

(३) उप संरक्षक (हिप्पटी कंजवेटर) का अधिकारी तथा अधिकारी से ही जिसमें जलपोत चलाने का नियंत्रण देखा एवं प्रबंध करना निश्चित है।

(४) बन्दरगाह मास्टर (हार्बर मास्टर) का अधिकारी ऐसे कार्यों के नियावन करने के लिए नियुक्त अधिकारी से है, जो कि उसमें समय-समय पर उपसंरक्षक द्वारा सौंपे जाएँ।

(५) डाक मास्टर का अधिकारी किसी अधिकारी से है जिसकी नियंत्रित जलपोतों के संबंध में ऐसे कार्यों के नियावन करने के लिए की गई हो जो कि उसकी समय-समय पर उपसंरक्षक द्वारा सौंपे जाएँ।

(६) इस पोर्ट का अर्थ जबाहरलाल नेहरू पोर्ट ने

(३) मार्गदर्शक जलपोत की स्टेशन में स्थिति, विवरण एवं ध्यन तथा पहिजान का सिनल:—(१) कोई भी मार्गदर्शक जलपोत कलावा प्लाईट के साथ मलबार प्लाईट की लाइन पर रुकेगा।

मार्गदर्शक जलपोत प्रश्नोत्तिवित स्वयं से रंगी, चिकित की आपड़ी:—

(१) अपरी हिस्सा सफेद रंग एवं बूट टॉपिंग लाल रंग, और कार्य रंग के टॉप के साथ दीने रंग का चांगा।

(२) पिछले भाग में तथा प्रत्येक भाग में भाग में जलपोत का नाम और जलपोतों के प्रत्येक भाग में जहाजों के मध्य “चालक (पायलट) लिंग होना चाहिए।

मार्गदर्शक गणी जलपोत अब स्टेशन में होगा, तर:—

(क) दिन में जलपोत के मुख्य प्रश्नान में लाल एवं सफेद रंग का ध्वज, जो ७ मीटर लम्बा एवं १.७३ मीटर लूंगा होगा, एवं जो अधिकी स्थिति में होगा, सगातार फहरता रहेगा, जिसकी ऊपरी धैर्यिक प्राधा भाग सफेद होगा और निचला धैर्यिक प्राधा भाग लाल होगा और/यथवा ऐसे अन्य प्रतीक (चिह्न) होंगे जो नियावनुसार या कानून के अनुसार उन समाप्तिवित नियम के अनुसार लाग किये जायेंगे।

(ब) रात्रि में उम समय प्रश्नावित नियम या कानून के अनुसार प्रकाश (बनी) प्रदर्शित होना रहेगा।

(४) जालकों पर हार्बरमास्टर एवं डॉकमास्टर का नियंत्रण

हार्बरमास्टर, डॉकमास्टर पर नियंत्रण रखेगा और वह जलपोतों के पोर्ट में प्रवेश करने प्रथमा पोर्ट छोड़ने या जलपोतों को लंगर डॉक में लंगर निकालने प्रथमा वह जलपोतों को लंगर रखने के लिए लाइन सेंसर द्वारा रखने के लिए लाइन सेंसर स्टेशन पर नियंत्रण रखेगा। और डॉकमास्टर जलपोतों चालकों पर नियंत्रण रखेगा और जलपोत जालक जलपोतों को बर्वे में लाने समय या बर्वे में जाने समय उन पर नियंत्रण रखेगा।

(५) जलपोत चालक लाइनेस स्थानक होना चाहिए।

गभी जलपोत चालक (एवं डॉकमास्टर) जबाहरलाल नेहरू पोर्ट हेतु एक चालक का काम करने के लिए लाइनेस स्थानक होंगे। ये लाइनेस कंट्रोल सरकार के स्वीकृतीयों पर वेअरमैन के हस्ताक्षर के सहत जागी किये जायेंगे और बोर्ड की सामान्य मुहर द्वारा महर लगायी जाएगी तथा नेअरमैन द्वारा रह करने योग्य होंगी।

(६) परीक्षा का विषय:

परीक्षा में नियंत्रित विषयों का समावेश होगा, अवधार:—

(क) बन्दरगाह में जलपोत चलाने के लिए एवं समय-समय पर पोर्ट पर पहुंचने के लिए विनियमों एवं नियमों को बनाना

(क) किसी भी जलपोत के लौच तक तक (गति) एवं लूटी, महरों का बदल एवं उपाय।

(ग) ध्वनियों की गहनता (गहराई) एवं स्वभाव।

(घ) पोर्ट की सीधार, नेशन और स्पती, चट्ठानों, उथले (छिले) एवं बहुपूर्ण जिसारों सथा अन्न खांगों, सीमा बिहारों, जोखन रथकों, संकेत मगानों (शाकाशीष) एवं प्रकाशसंभंग।

(ङ) स्टीमरों (वायपोतों) एवं जहाजों का प्रबंध, उनको कैसे लंगर डाला जाए और महरोंके समय कैसे लंगरों को निकाला जाए।

(ज) जलपोतों को किनारे बांधना या किनारे न बांधना तथा उनको जल के भीतर ने जाना।

(झ) सभी प्रकार की स्थितियों में किसी जलपोत की संभालना और इनी तरह के अन्य विषय को परीक्षा समिति द्वारा नियर्वासित किए जाएं।

(ञ) परीक्षा समिति

सभी परीक्षा किसी एक परीक्षा समिति द्वारा चलायी जायगी:—

(१) उपसंरक्षक (हिप्पटी कंजवेटर) (सेंट्ररमैन)

(२) आर्थरमास्टर।

(३) डॉकमास्टर।

(४) विंडें जाने वाले जलपोत का एक मास्टर।

(५) अमलीयं परिषाक्षियों की परीक्षा

परिषोक्षा अवधि में यदि कोई चालक नियुक्त होने की तिथि से नी महीने के भीतर नियर्वासित परीक्षा में प्रवक्षत होगा तो वह मध्याह्न होने का पात्र होगा।

(६) चालकों का वर्गीकरण।

कोई भी चालक जिसको लाइनेस प्रदान किया गया हो उसको जलपोत चलाने के लिए नियन्त्रित नहीं से अनुमति दी जाएगी।

(क) प्रथम तीन महीने के द्वितीय संपूर्ण रजिस्टर आठ तिजारे टनों से प्रतिक वजन वाले जलपोत चलाने की अनुमति नहीं होगी।

(ख) अग्रे तीन महीनों के द्वितीय संपूर्ण रजिस्टर 10,000 टनों से अधिक वजन वाले जलपोत चलाने की अनुमति नहीं होगी।

(ग) अग्रे तीन महीनों के द्वितीय संपूर्ण रजिस्टर 12,000 टनों से अधिक वजन वाले जलपोत चलाने की अनुमति नहीं होगी। (सामान लदे हुए टैक्सों तथा युद्ध के लियाहियों को छोड़कर पाल्टु प्राग्रामी एवं यौवां के आगे पीछे विषय में टैक्सों के माय)।

(घ) अग्रे तीन महीनों के द्वितीय संपूर्ण रजिस्टर 15,000 टनों से अधिक वजन वाले जलपोत चलाने की अनुमति नहीं होगी। (सामान लदे हुए टैक्सों के गाय परन्तु स्थिरक में टैक्सों को छोड़कर)।

(ङ) अग्रे तीन महीनों के द्वितीय संपूर्ण रजिस्टर 18,000 टनों से अधिक वजन वाले जलपोत चलाने की अनुमति नहीं होगी। ५,० एम से अधिक के ड्राफ्ट नहीं।

(ञ) अग्रे तीन महीनों के द्वितीय संपूर्ण रजिस्टर 25,000 टनों से अधिक जलपोत चलाने की अनुमति नहीं होगी। १० एम से अधिक के ड्राफ्ट नहीं।

(ञ) तदनन्तर पूरे द्वारों वाले नर्म जलपोत अवर्तन, विना किसी अधिकारी के सभी जलपोत चलाने की अनुमति दी जाएगी।

२. किसी चालक का स्थानान्तरण एक दर्जे से दूसरे ऊंचे दर्जे पर उपसंरक्षक, जबाहरलाल नेहरू पोर्ट द्वाट एवं उपसंरक्षक बास्ट्र पोर्ट द्वाट के अनुमति दिया जा सकेगा।

3. वर्षी का, खा, ग, घ या छ के पायलट जैसा कि उपनियम (1) के अन्तर्गत विनियिट किया गया है, 6 महीना या उससे अधिक अवधि की छूटी से आपस आने के बाद जैसा कि उपसंरक्षक द्वारा निर्णीत किया गया हो एक वर्ष से दूसरे वर्षों को और पायलट पार्ट्स को या उसके विपरीत फेरे लगायेगा। और जैसा कि उपसंरक्षक द्वारा निर्णीत किया गया हो किसी स्टीमर के चालक संबंधी कार्यभार प्रहृष्ट करने से पहले किसी बरिट चालक के चालक संबंधी कार्यभार में किसी स्टीमर के विज पर फेरे लगायेगा।

4. जैसा कि वर्ष समिति द्वारा सिफारिश की गई है और चालक संबंधी प्रक्रियाओं (संशिप्त की मूल प्रति) में दोनों पोटों द्वारा अनुसंधन नियम दिया गया हो।

(10) नियंत्रण स्टेशन पर डाकमास्टर द्वारा किये जाने वाले कार्य:

उपसंरक्षक द्वारा समय-समय पर दिए गए आदेशों के अनुसार डाकमास्टर ऐसी अवधि के लिए कच्चकानकूम से नियंत्रण स्टेशन पर कार्य निष्पादन करेगा।

(11) छुट्टी नियंत्रित परिस्थितियों में ऊंची टनों की वर आने कार्य जलपोत वा कार्यभार प्रहृष्ट करने के लिए चालकों को निर्देश देने का अधिकार:—

यदि आवश्यक हुआ हो, डाकमास्टर किसी चालक को, जिस जलपोत को चलाने के लिए विनियम 9 के अन्तर्गत वह पोम्पला प्राप्त किया हो, उससे भी अधिक टनों की अधिकता वाले जलपोत को चलाने के लिए निर्देश देने सकता है। ऐसे ग्रेडेक मालिये में, डाकमास्टर फौरन बाहरों पर हवाला देते हुए उनकी रुद्धि में ऐसी कर्मिकाई करने की ज़रूरत क्यों हुई, उपसंरक्षक को लिखेगा।

(12) ग्रेडी (खांभी) मालियों (लाइनों) दर्शकों वा प्रवेश नियंत्रण द्वारा नियंत्रित की छोड़कर, उपसंरक्षक की अनुमति के लिए साइलेंस शूट ऑर्डर पर रहने वाले चालक के अलाका किसी अन्य छपकिन को गश्ती लास्ट पर प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

(13) कांट्रोल स्टेशन पर लॉगबुक रखना:

लॉगबुक डाकमास्टर द्वारा विनियम परिवेशित एवं ग्राहित की जाएगी और इसके अन्तर्गत स्टेशन में रखा जायेगा।

(अ) हवा एवं लहरों की दिशा एवं गति।

(ब) अमर्सीटर एवं बीटर के अवधनोक एवं हिमांक को न.पन।।

(ग) चालक वा योर्डे पर जाने वा समय और जलपोत की आपायी वा समय।

(घ) किसी बाहर जानेवाले जलपोत को चालक द्वारा छोड़ने का समय।

(इ) और गर्भी साल्चे पर उनके स्थान वा समय।

(ज) नौवहन के लिए सभी शिल्पों वा विवरण।

(ঁ) उपसंरक्षक द्वारा अन्य दिए जानेवाले आदेशों का विवरण।

(14) लॉगबुक का निरीक्षण एवं के लिए उपसंरक्षक के पास अन्वित करना।

कांट्रोल स्टेशन पर सेनान डाकमास्टर लॉगबुक को उपसंरक्षक के पास लेसे समय पर निरीक्षण हेतु भेजेगा जो समय उनके द्वारा निर्णीत किया गया हो।

(15) कांट्रोल स्टेशन पर डाकमास्टर की इमूटी।

कांट्रोल स्टेशन का लॉगबुक द्वारा अवाहनकता नेहरू पोर्ट एवं इटल के कांट्रोल स्टेशन पर इमूटी पर रहेगा और ऐसे कामों वा लिप्तदान करेगा जो उपसंरक्षक द्वारा स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया हो।

(16) कांट्रोल चालकों एवं परिवीक्षाधीन चालकों को डाकमास्टर द्वारा अनुदेश देना।

चालकों का इमूटी के सभी शाखाओं में अनलॉक चालकों एवं पारवा-शाधीन चालकों का अनुदेश देकर डाकमास्टर उनकी मदद करेगा।

(17) डाकमास्टर एवं चालक वाले पहचानने का इच्छा:

प्रत्येक डाकमास्टर एवं चालक को पहचान इच्छा किया जायेगा जिसको जलपोत वर्ष फॉर्म द्वारा जायेगा, इसको इस स्थिति में रखा जायेगा जो कि दिनभज्ञों के गावजूद भी विद्याइ है। दिनभल स्टेशनों वा डालों पर फॉर्म्या गया अहीं इच्छा, डाकमास्टर वा चालक जहाज पर स्थान हो, मूलना देने के लिए उपयोग किया जाएगा।

(18) प्राधिकारी के आदेशों को चालकों द्वारा पालन करना।

किसी चालक को बोई द्वारा, चैयरमैन द्वारा, डिप्यूटी चैयरमैन द्वारा और अधिकारी कन्वेंटर द्वारा और अधिकारी हावर्ड मास्टर एवं डाकमास्टर द्वारा जब के कांट्रोल स्टेशन पर हों, उनके द्वारा जारी किए गए दिनें विनियमों का पालन किया जाना चाहिए। वर्ष करने, अनुसंधान करने, जलपोत को रस्ती के सहारे कियारे छोड़ने, तथा जलपोतों को परिवहन करने वा हटाने के संबंध में, जो उनके कार्यभार में हों, डाकमास्टर द्वारा दिए गए आदेशों का पालन उसको करना होगा।

(19) चालक का बर्ताव:

चालक को हर समय कठोर संघरण बरतना चाहिए। संपूर्ण समय वह जलपोत वा ग्रामारी होगा स्थान उसकी सुरक्षा एवं साथ ही साथ अन्य जलपोतों एवं संपरियों की सुरक्षा वा उदान रखेगा। यदि जलपोत चल रहा हो तो आवश्यकता पहले पर उसका परवारणन करेगा और आफिसर इन-कमांड वा जलपोत मालिक के लिखित प्रादेश के लिए उसे स्थल पर नहीं ले जाएगा।

(20) चालकों को उनके द्वारा नियमित की गई सेवाओं के सिए प्रमाण पर प्राप्त करना।

चालक, जलपोत की संचारी/प्राप्ता पूरी करने के बाद उसके द्वारा उपर्युक्त की निर्मांड मास्टर को देगा और जरुरी विवरणों की वह अपने हस्ताक्षर के माथे उनमें दर्ज करेगा। मिहिल ग्राउन्ड में जलपोत के पहुंचने के पहले पृष्ठे इमूट की विधिक भरकर चालक को अधिसूचना जाहिर और संक्षेप रूप से पारवा उपर्युक्त के पहले छूटने की त्रिपाई को विधिवत् इक्सेक्यूटिव चालक को विवरण किया जाना चाहिए। जब चालक की इमूट पूरी हो जाये तब परिवहन करने स्थान संग्रह आलने के कार्य का प्रमाण-पत्र चालक द्वारा इक्सेक्यूटिव मास्टर के हातों हेतु प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

(21) चालक का जलपोत का स्वारी हेतु ठीक समय पर पृष्ठान्त:

कोई जलपोत, जो बाहर जाने वाला हो, अधिकारी संभालने वाले चालक को नियमित समय अवधि उनके समुद्र में जाने अवधि स्थान को जाने के लिए समय से पहले जलपोत में स्थान हावर तथा अफिसर-इन-कमांड को रिपोर्ट करना होगा।

(22) इमूट पर तैनात चालक को अपना लाइसेंस अपने साथ रखना।

प्रिंटी चालक को जो इमूट पर होगा, उसको अपने साथ में हमेशा पौर्ण से किए अधिकारिक टाइप टेक्स्ट, पीट नियमों की एक प्रति, अंतमान लागू होने वाले चालक संबंधी नियमों और छुट वा लाइसेंस रखना होगा।

23) यदि चालक को भोजन एवं सोने की जगह की व्यवस्था न हो तो, भव्ह हार्बर में जलपीत को लंगर डालने के बाद जलपीत छोड़ सकेगा :—

जलपीत का मास्टर जो चालक संबंधी कार्यभार संभालेगा उसक यदि आवश्यक हुमा तो चालक हेतु उचित आवास की व्यवस्था करनी होगी। और इसके साथ हो सकता है कि जलपीत को बोर्ड नाम्पड़ा और बोर्हर का भोजन बोर्हर से 2 बजे के बीच, तथा शाम का भोजन 6 बजे से 8 बजे के बीच, यदि उपर्युक्त समय में लंगर डाले हुए जलपीत हार्बर में बहा हो तो उसकी सुधाह, बीपहर, एवं शाम के नाश्ते एवं भोजन की व्यवस्था करनी होगी। जलपीत के मास्टर की ओर से उपर्युक्त व्यवस्थाएँ न किए पर चालक ऐसे करने के अपने रख को लिखित रूप में, कम से कम एक घण्टे पहले, आफिसर-इन-कमान्ड को नोटिस देकर, जलपीत छोड़कर, फिनारे ग्रा सकेगा। और जितनों जलदा हो सके मामले को लिखित रूप में उपसंरक्षक के पास रिपोर्ट करेगा।

24) चालकों को बेबता चाहिए कि सभी लंगर मक्त होने के लिए तैयार है :—

किसी चालक को किसी बाहर जाने वाले से जलपीत का कार्यभार संभालने के पहले जलपीत के मास्टर से जानकारी करना होगा कि व्या स्टिलरिंग गिपर जूड़ हुई है एवं कार्य करने का अलड़ा स्थिति में है और दोनों लंगरों को मुक्त करने के लिए तैयार होने का संकेत देता है।

25) चालकों द्वारा साझा देना।

चालक किसी मुकदमों या जब में जिसमें वह कोई पक्ष न हो तथा जब तक उसे सम्मत न मिला हो, उपर्युक्त (डिप्टो कंजर्वेटर) की पूर्ण प्रभाविति के बिना साझा देने के लिये उपर्युक्त नहीं होगा। यदि किसी सालट को साझा देने के लिये सम्मत मिला हो तो उसको रिपोर्ट ही उपर्युक्त को दे देना चाहिए।

26) चालक नौपरिवहन संबंधी वित्तों के किसी बदलाव की सूचना देना :—

किसी चालक को, जिसने जैनलों में (परिवर्तन) बदलाव का निरीक्षण किया हो, अथवा किसी जावनशल का पता लगाया हो, वापसींमें अथवा हड्डके (कम जननशल) जल तोतों को धूर ले जाया गया हो, तो उन विधि गदा हैं, कि पुरुषार्ह गई हो, अथवा विद्या वरद वा गई हो, अथवा नौपरिवहन की सुरक्षा को, संवरप, प्रवासित करने के लिए किसी अन्य प्रकार को परिवर्त्यित से अवगत हो तो उपर्युक्त के बारे में उपर्युक्त के पास फौरन विस्तृत रिपोर्ट देना चाहिए।

27) चालक को दुर्घटना (अपघात) की रिपोर्ट देनी चाहिए :—

जब कभी जलपीत द्वारा किसी प्रकार की दुर्घटना (अपघात) हुई हो अथवा चालक के जलपीत के बारण हुई हो, चालक को चाहिए कि वह इत उद्देश्य हेतु गिरहत कार्म (प्रारूप) में लिखित रूप में तर्फा का रिपोर्ट, जितना ज्ञाद, संभव हो, उप संरक्षक के पास भेजे।

28) हार्बर मास्टर द्वारा जलपीतों पर चालकों को उत्तेजित नियमित करना :—

चालकमास्टर के निरीक्षण के प्रस्तावित, इयटी पर तैनात चालकों का जहजों को चालने के लिए उनको जलपीतों से संबंधित, विस्तृत विवरण देना होगा। एक सूचा, तितरें चालकों के अलांगतग एजों का संबंध, दक्षता हुई, जो कि उनको देता जहजों के लिए दिये जाने वाले हों तैयार की जानी चाहिए और उपर्युक्तका या हार्बर मास्टर के कार्यालय में रखी जानी चाहिए। उपर्युक्तके कार्यालय में तैयार करके रखी हुई सूची के अनुसार व्यक्तिगत गतियों हेतु चालकों का विवरण या फेर-बदल के जरिये किसी तरह भा अवश्यक समावैज्ञान, अथवा चालकों के विवरण के रहो-करण को स्वीकृति प्राप्त, जो कम्प्रोल स्वेच्छा है, पर किया जायेगा।

29) चालकों के बहिर्गमी कामों (ड्रेफ्टोज) का आरंभ :—

आहर जाने वाले जलपीत के संबंध में किसी चालक का काम तथा आरंभ होगा :—

(1) जलपीत में सवार होने के बाद हार्बर में,

30) चालक के बहिर्गमी कामों पर समाप्त :—

(1) बाहर जाने वाले जलपीतों के संबंध में किसी चालक के कार्यालय का सब समाप्त हो जायेगा जब पायलटेज ग्राउंड को जलपीत छला दिया जायेगा।

(2) किसी चालक को कोसाबा छोर (ज्वाइंट) से जलपीत छठने के पहले यंत्र में चाल रहने के लिये (बेयरिंग) रुया अनुमति अन्तर (दूरी) की खाली कर लेनी चाहिए, तथा उसके डिपार्चर रिपोर्ट में दर्ज कर लेनी चाहिए।

(30) चालक के आवधक कामों पर आरंभ :—

आहर की ओर आने वाले जलपीतों के संबंध में किसी चालक के कार्यालय आरंभ होने जब अनियार्य रूप से चलाए जाने संबंधी पानी (पायलटेजवाटर) के सोमा के भोकर जलपीत पर सधार

(32) जलपीत पर सवार होने के बाव चालक को इधा दून के रोगों अदि के होने की खाली करना :—किसी चालक को किसी आने-वाले जलपीतों पर सवार होने के बाव निम्न विवित बातों की खाली करना चाहिए कि :—

(1) क्या यात्रा के दौरान जहाज पर किसी तर का अप्राप्त दून रोग था अथवा है, जो कि अंगीर प्रकृति का है, तो (मैरेइंटी रुल) संगरोध नियम में की गई व्यवस्था के अनुसार उसको संगरोध लंगर स्प्ल में जलपीत का लंगर जाप देना चाहिए। और सर्व भेद सिनल का घञ फहराना चाहिए और इस संबंध में रिपोर्ट संगरोध नियम में दिए गए अनुबेदों का पालन करना चाहिए।

(2) कोसाबा छोर (ज्वाइंट) से समय, यंत्र में छूल रहने के लिये (बेयरिंग) एवं अनुमति दूरी (अन्तर) नोट करना चाहिए, जलपीत के वर्तमान ड्राफ्ट एवं डीपलोड ड्राफ्ट की खाली करनी चाहिए, और देखन। चाहिए कि दोनों लंगर स्प्ल से मुक्त हैं। और यह भी देखना चाहिए कि रास्ट्रीय-घञ फहराया गया है, तथा जहाज का नाम लिया हुए घञ तथा अन्य सिनलों को, जो समय-समय पर पोर्ट नियमों द्वारा आवश्यक है, फहराए गए हैं, लगाए गए हैं। यह भी देखना चाहिए कि उडिर्फुट घञ एवं सिनल इस तरह से लगाए गए हैं जो कि पोर्ट सिनल स्टेशन से साफ साफ विकार्ष होते हैं।

33) जलपीतों का भूमना भुमाया जाना :—

जब तक निम्नलिखित शर्तें पूरी न हों जाएं, वोई भी चालक किसी भूमनेवा या भूलनेवा जलपीतों को पोर्ट के भीतर एक विशा से अन्य (दूसरी) विशा की ओर न तो भुमा (मोश) सकेगा या न तो विशा नियम ही वे सकेगा।

(1) यदि जलपीत चालू स्थिति में होगा तो मास्टर को इस पर रहना होगा।

(2) यदि मास्टर जलपीत के चलने की गति के पूर्ण होने के पहली ही जलपीत छोड़ देता है तब जलपीत चालक, जितनी अधिक आसानी से जलपीत सुरक्षित स्थिति में पहुंचा सके, लंगर डालने के लिए विशा नियमों देगा। और तब तक इसके प्रस्ताव के लिए विशा नियम नहीं देगा। जब तक मास्टर बाप्स नहीं आ जाएगा।

(3) जलपोत चलते समय तक बहुत से अधिकारी एवं नाविक जलपोत पर रहेंगे और छूटी पर ग्राप्प होने और जलपोत पर किसी भी कार्य को करने के लिए पर्याप्त होंगे। जलपोत पर साथार होने पर चालक यदि बिचार करता है कि उपर्युक्त अधिकारियों एवं नाविकों की संख्या भरपूर नहीं है तो वह पोर्ट के नियम की ओर जलपोत पर उपर्युक्त मास्टर का ध्यान आकर्षित करेगा और जब तक कि मास्टर स्वयं पर संपूर्ण जगत्वाग्नि लेकर घोषणापत्र पर स्वतः हस्ताक्षर नहीं करेगा तब तब चालक जहाज चलाने से इनकार कर सकता है।

व्याख्या:—इस विनियम में मास्टर का साथ्य बाद वाले अधिकारी द्वारा प्राप्त कार्यालय के कार्यों के निष्पातन में अधम होने पर मास्टर की हेसियत से कार्य करने के लिए विधिवत् प्राधिकृत प्राप्त या अन्य अधिकारी से है।

(34) चालक को जलपोत पहुंचने को रिपोर्ट देना:—

जलपोत के गलत्य स्थान पर पहुंचने के बाद, जलपोत को भीतरी प्रोर चलाने के पश्चात्, अथवा उसको धारा में चलाकर ने जाने के बाद प्रयत्न चालक संबंधित धरातल से बापसी के बाद, चालक अगला इटां हेतु इस उद्देश्य हेतु रक्षा गाँड़ रिस्टर में अपना नाम दर्ज करते हुए प्रतिलिपि उपसंरक्षक कार्यालय या कल्पोल स्टेशन को रिपोर्ट देगा।

(35) किसी चालक का लाइसेंस खो जाने पर अह फौरन उपसंरक्षक के पास, जिन परिस्थितियों में लाइसेंस खो गया हो उसका विवरण देते हुए इसका सूचना देगा और संरक्षक जब तक सन्तुष्ट नहीं होगा कि लाइसेंस चालक के दराचरण से खां गया है, चालक को लाइंग का प्रतिलिपि (हासरी प्रति) जारी करने की व्यवस्था करेगा।

(36) चालकों द्वारा चाटों को जांच करना:—

सभी चालक उपसंरक्षक हार्बर मास्टर के कार्यालय पर निरन्तर उपस्थित होने रहेंगे और पोर्ट या पोर्ट संघीय अन्य सूचना बाद के घाटों पर लाइंग में थी गई जानकारी का पता लगायेंगे।

(37) डाक मास्टर और चालक चैयरमैन द्वारा निर्धारित वर्षी, जब थे डम्पटी पर होंगे, पहुंचने।

(38) व्याख्या:—यदि इन विनियमों की व्यवस्था में किसी प्रकार की समस्या आती है तो उसे चैयरमैन के पास भेज देना काहिए जिसका कि निर्णय अनन्तिम निर्णय होगा।

(39) निरसन एवं संचयन (बचत):—

इस विनियमों के सन्दर्भ में किसिपन एवं द्वारा निरसन (रह) किए जाते हैं।

(क) बधाते कि ऐसे रह किए गए विनियमों के अन्तर्गत दिया गया कोई आदेश प्रयत्न की गई कोई कार्रवाई इन विनियमों के सदनुसूच प्रावधानों के अन्तर्गत दिया गया आदेश प्रयत्न की गई कार्रवाई माना जायेगा। लाइसेंसिंग एण्ड कल्पोल आफ पायलट्स, रेगुलेशन्स 1975 के अन्तर्गत थी पी टी द्वारा बनाए गए विनियमों को इन विनियमों में कुछ भी असंगत नहीं माना जायेगा प्रयत्न घोष्णे पोर्ट द्वारा बनाए गए कोई दूसरे नियम, जो कि तब साग्रह होंगे, जब जलपोतों को जवाहरलाल नेहरू पोर्ट के चालक संचालन कार्यालय के अधीन कब्ज़ही के संवासामान्य उपयोगी जनरार्म में आना जाना कर रह है।

(ख) जहां तक जवाहरलाल नेहरू पोर्ट पायलटेज लाइसेंस की मंजूरी का संबंध है, घोष्णे पोर्ट के पूर्ण टन भार वाले चालक इन विनियमों के प्रावधानों से छूट पाने की मंजूरी के (पात्र) हक्कावार होंगे अर्थात् कि दी गई छूट की मंजूरी जवाहरलाल नेहरू पोर्ट के किंप्युटर द्वारा लिखित रूप में दी गई हो तथा जो स्वतः सन्तुष्ट हो कि जवाहरलाल नेहरू पोर्ट की जलभारी की उपरेकाओं नीसंचालक संबंधी साधनों की व्यवस्था नी संचालन संबंधी अमल में लाग गए नियमों से प्रार्थी अवगत है।

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

New Delhi, the 13th June, 1990

NOTIFICATION

G.S.R. 571(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 124, read with Sub-section (1) of Section 24, read with Section 28, Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Jawaharlal Nehru Port (Licensing and Control of Pilots) Regulations, 1990 made by the Board of Trustees for the Port of Jawaharlal Nehru and set out in the Schedule annexed to this notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[F. No. PR-12012[8]89-PE.I]

S. N. KAKAR, Jr. Secy.

SCEDULE

In exercise of the powers conferred by proviso to Sub Section (1) of Section 24, read with Section 28, of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Board of Trustees of the Jawaharlal Nehru Port, with the approval of the Central Government, under Sub-section (1) of Section 124 of the said Act, hereby makes the following Regulations :

(1) Short title and commencement.—(1) These Regulations may be called the Jawaharlal Nehru Port (Licensing & Control of Pilots) Regulations, 1990.

(2) Definitions : In these Regulations, unless the context otherwise requires.—(1) "Board", "Chairman" and "Deputy Chairman" shall have the same meaning as in the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963).

(2) 'Limits of compulsory pilotage waters' means the limits defined under Sub-section (2) of Section 4 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908).

(3) 'Deputy Conservator' means the officer in whom the direction and management of Pilotage are vested.

(4) 'Harbour Master' means the officer appointed to perform such duties as may from time to time be assigned to him by the Deputy Conservator.

(5) 'Dock Master' means an officer appointed to perform such duties in connection with movements of ships as may, from time to time, be assigned to him by the Deputy Conservator.

(6) 'Port' means the Jawaharlal Nehru Port.

(3) Postion in station, description and flags of identification of Pilot Vessel.—(1) A Pilot vessel will be stationed on a line with Malabar Point in transit with Colaba Point.

The Pilot vessel shall be painted as follows.—(1) White top sides and red boot topping and funnel buff with a black top :

(ii) Her name on the stern and on each bow and the word 'PILOT' amidships on each side of the vessel.

The Pilot Vessel, which on station, shall :—

- (a) during day time, keep continuously flying at the main masthead a red and white flag in good condition measuring not less than 2 mtrs. by 1.25 mtrs. wide, the upper horizontal half of which shall be white and the lower horizontal half red and/or such other signals in accordance with the rules or law for the time being in force;
- (b) during night, exhibit lights in accordance with the rules or law for the time being in force.

(4) Harbour Master's & Dock Master's control over Pilots.—The harbour Master shall have control over Dock Master and Pilots in pilotage charge of vessels while entering and leaving the Port or mooring or unmooring or berthing or unberthing at any anchorage or berth in the Port and a Dock Master shall have control over Pilots and Pilots in Pilotage charge of vessels while entering or leaving the berth.

(5) Pilots to be licensed.—All Pilots and Dock Masters shall hold licences to perform the duties of a Pilot for the Port of Jawaharlal Nehru. These licences subject to the sanction of the Central Government, shall be issued under the signature of Chairman and sealed with the common seal of the Board and be revocable by the Chairman.

(6) Subject of Examination.—The examination shall include the following subjects, namely :

- (a) regulations and rules framed for navigating in the harbour and approaches to the berths from time to time.
- (b) course and distances between any two places rise and set of tides.
- (c) depth and character of soundings.
- (d) anchorages, rocks, shoals and other dangers, landmarks, buoys, beacons and lights within the port.
- (e) management of ships and steamers, how to bring them to anchor and to keep clear of their anchors in a tideway.
- (f) to moor and unmoor and to get underway.
- (g) to handle a vessel under all conditions and such other subjects as may be determined by the examination committee.

(7) Examination Committee.—The examination shall be conducted by an examination committee :

- (1) the Deputy Conservator (Chairman)
- (2) the Harbour Master
- (3) a Dock Master
- (4) a Master of foreign-going ship.

(8) Failure to pass examination.—In the event of a probationary pilot failing to pass the specified examination within nine months of his appointment, he will be liable to be discharged.

(8) Classification of Pilots.—(1) A Pilot on being licensed will be permitted to pilot vessels as follows :

- (a) during the first three months, vessels not exceeding 8000 tonnes gross register.
- (b) during the next three months, vessels not exceeding 10000 tonnes gross register.
- (c) during the next three months, vessels not exceeding 12000 tonnes gross register (excluding loaded tankers and men-of-war but including tankers in ballast to and from stream and the berth).
- (d) during the next six months, vessels not exceeding 15000 tonnes gross register (excluding loaded tankers and men-of-war, but including tankers in ballast).
- (e) during the next 12 months, vessels not exceeding 18000 tonnes gross register, draft not exceeding 9.0 M.
- (f) during the next 12 months, vessels not exceeding 18000 tonnes gross register, draft not exceeding 9.0 M.
- (g) thereafter, full tonnage, i.e. all vessels without restriction.

(2) The transfer of a pilot from one class to the next higher class will not be made without the approval of the Deputy Conservator, JNPT & BPT.

(3) On returning from leave for six months or over, a Pilot included in class (a), (b), (c), (d) or (e) specified in sub-regulation (1) shall, if so decided by the Deputy Conservator, make such number of trips between the berths and the pilot ground and vice versa as may be determined by the Deputy Conservator on the bridge of a steamer in pilotage charge of a senior pilot before taking pilotage charge of a steamer.

(4) As recommended by Barve Committee and ratified by the two ports in the Pilotage Protocol.

(10) Dock Master to do duties at the control station.—The Dock Master shall perform the duties at the control station in rotation for such periods as may from time to time be ordered by the Deputy Conservator.

(11) Power to direct pilots to take charge of a vessel higher tonnage in certain circumstances.—The Dock Master may, if necessary, direct a pilot to pilot a vessel exceeding in tonnage the vessels which he is qualified under regulations 9 to Pilot. In every such case, the Dock Master shall forthwith send a report in writing to the Deputy Conservator stating the reasons which in his opinion necessitated such action.

(12) Visitors not be allowed on Pilot Launches.—Except in cases of emergency, the Pilot Launch shall not receive any person other than a licensed Pilot on board without the permission of the Deputy Conservator.

(13) Log Book to be kept at Control Station.—A Log Book supervised and countersigned daily by the Dock Master shall be kept in the Control Station.

- (a) direction and force of wind and currents.
- (b) readings of Barometer and Thermometer.
- (c) time the pilot was placed on board an incoming vessel.
- (d) time when the pilot leaves an outbound vessel and boards the Pilot Launch.
- (e) all signals to shipping.
- (f) such other particulars as may be ordered by the Deputy Conservator.

(14) Log Book to be forwarded to the Deputy Conservator for Inspection.—The Dock Master on the Control station shall forward the Log Book to the Deputy Conservator for inspection at such intervals as may be prescribed by him.

(15) Duties of Dock Master on Control Station.—The Dock Master on Control Station shall be on duty at the control station at Jawaharlal Nehru Port at such times and shall perform such duties as may be specified by the Deputy Conservator.

(16) Dock Master to give instructions to junior pilots and probationary pilots.—The Dock Master shall assist in instructing the junior pilots and probationary pilots in all branches of a Pilot's duty.

(17) Dock Master & Pilot's distinguishing flag.—Each Dock Master & Pilot shall be provided with a distinguishing flag which is to be hoisted on the vessels while in his charge in such a position where it can be seen and apart from other signals. The same flag hoisted at any of the signal stations or at the docks will be used in communicating with the vessel when the Dock Master/Pilot is on board.

(18) Pilots to obey the orders of the authority.—A pilot shall obey and execute all orders and regulations given or issued by the Board, the Chairman, the Deputy Chairman, the Deputy Conservator and/or the Harbour Master and the Dock Master while at the Control Station. He shall also obey all orders given by the Dock Master relating to the berthing, unberthing, towing, transporting or removing of vessels under his charge.

(19) Pilot's behaviour.—A Pilot shall, at all times, exercise a strict sobriety. He shall throughout the time he is in charge of a vessel use his utmost care and diligence for her safety and the safety of other vessels and property. He shall when necessary keep the lead going when the vessel is underway. He shall not lay by the vessel a ground without a written order from the owner or officer in command.

(20) Pilots to obtain certificate of services performed by them.—A Pilot shall, on boarding the vessel, hand the Arrival/Departure Report to the Master who shall enter therein all the required particulars over his signature. The Arrival Report shall be duly filled in and returned to the pilot before the vessel reaches Middle Ground and Departure Report before reaching the Sunk Rock. Transporting and Anchoring certificates shall be filled in by the Pilot and presented to the Master for signature when the duties of the Pilot are completed.

(21) Pilot to go on board vessels in good time.—A Pilot about to take charge of a vessel which is outward bound, or which is about to be moved from berth in which she is lying shall go on board and report himself to the officer in command at the time appointed, i.e. in sufficient time for her to be moved out to sea or to her destination.

(22) Pilot when on duty to carry with him his licence, etc.—A Pilot when on duty shall always have with him an official Tide Table for the port, a copy of the Port Rules, Pilotage Regulations for the time being in force and his Licence.

(23) Pilot may leave vessels at anchor in the harbour if not provided with proper food and sleeping accommodation.—The Master of a vessel in pilotage charge of a pilot shall provide the pilot with reasonable accommodation, if necessary, and with breakfast between 7 a.m. to 9 a.m. with lunch between noon and 2 p.m. and with dinner between 6 p.m. and 8 p.m. if the vessel is at anchor in the harbour during these hours. In the event of failure on the part of the Master of the Vessel, the Pilot may leave the vessel and come on shore after giving the officer-in-command atleast one hour's notice in writing of his intention to do so and shall report the case in writing to the Deputy Conservator as soon as practicable.

(24) Pilots to see that anchors are ready to let go.—A pilot before taking charge of a vessel outward bound shall enquire of the Master of the Vessel whether the steering gear is connected and in proper working order and direct that both the anchors be ready for letting go.

(25) Pilots giving evidence.—A Pilot shall not attend to give evidence on any trial or enquiry to which he is not a party, unless he is under subpoena without the prior permission of the Deputy Conservator and a Pilot under subpoena to give evidence shall at once report the fact in writing to the Deputy Conservator.

(26) Pilots to give information of any alterations in navigational marks etc.—A Pilot who has observed any alteration in the depth of the channels, or noticed that any buoys, beacons or light vessels have been driven away, broken down, damaged or shifted from position or become aware of any circumstances likely to affect the safety of navigation shall forthwith send a detailed report thereof in writing to the Deputy Conservator.

(27) Pilots to report casualties.—A Pilot, whenever any accident has happened to or been caused by a vessel while in his charge shall as soon as possible report the facts in writing in the form prescribed for the purpose to the Deputy Conservator.

(28) Harbour Master to regulate attendance of pilots on vessels.—Pilots on duty shall be detailed under the supervision of the Dock Master to vessels requiring their services. A list showing the rotation in which pilots having regard to their respective classes, are to be allotted to such vessels shall be drawn up and kept in the office of the Deputy Conservator or Harbour Master. The allocation of pilots for individual movements in accordance with the list drawn up in the Deputy Conservator's office and any adjustments necessitated by changes or cancellations of allocations of pilots shall be attended to by the control station at Jawaharlal Nehru Port.

(29) Commencement of Pilot's outward duties.—The duties of a pilot in regard to outward bound vessels shall commence in the harbour on boarding the vessel.

(30) Termination of Pilot's outward duties.—(1) The duties of a pilot with regard to outward bound vessels shall cease when he has piloted the vessel to pilotage ground.

(2) A Pilot shall ascertain the bearing and estimated distance from Colaba Point before leaving the vessel and enter them in the Departure Report.

(31) Commencement of Pilot's inward duties.—The duties of a pilot in regard to an inward bound vessel shall commence when he boards the vessel in any position within the limits of compulsory pilotage waters.

(32) Pilots to ascertain presence of infectious disease on board etc.—A Pilot on boarding an inward bound vessel shall :—

(i) ascertain whether there is, or has been, during the voyage any infectious disease on board. If there is, or has been, and the disease is of a serious nature as laid down in the Quarantine Rules he will anchor the vessel in the quarantine anchorage and hoist the Quarantine Signal and carry out the instructions contained in the Port Quarantine Rules in this respect; and

(ii) note the time, the bearing and estimated distance from Colaba Point, ascertain the vessel's present draft and deep load draft and see that both anchors are clear to be let go; see that the National Ensign is hoisted and the flags denoting the name of the vessel and any other signals, as required by the Port Rules from time to time, are hoisted in such a manner as to be clearly seen from the Port Signal Station.

(33) Moving of Vessels.—No pilot shall move or direct the moving of any vessel within the port from one position to another, unless the following conditions are fulfilled :

- (i) if the vessel is underway, the Master shall be on board;
- (ii) if the Master leaves the vessel before the movement is completed, the Pilot shall direct the vessel to be anchored in such safe position as may be most easily reached by the vessel and shall not give direction to proceed with the moving until the return of the Master to the Vessel;
- (iii) throughout the moving, the number of officers and crew on board and available for duty shall be sufficient to perform any duty which may be required and if the pilot on boarding considers that the number is not sufficient, he shall call the Master's attention to the Port Rules and refuse to proceed with the moving unless the Master first signs a declaration under his own handwriting expressly assuming entire responsibility.

Explanation.—In this regulation, the expression "Master" shall include the first or other officers duly authorised to act for the Master in the event of the latter being incapacitated from performing the duties of his office.

(34) Pilots to report on landing.—On landing, after piloting a vessel inward and/or transporting a vessel in the stream or recurring from the pilotage ground, a Pilot shall report without delay to the Deputy Conservator's office or the Control Station by entering his name on the roster kept for this purpose for further duty.

(35) Loss of Licence.—A Pilot losing his licence shall, forthwith give notice thereof to the Deputy Conservator, stating the circumstance in which the licence was lost and the Deputy Conservator shall, unless he is satisfied that the loss has been caused by the Pilot's misconduct, arrange for the issue of a duplicate licence to the Pilot.

(36) Pilot's examination of Charts.—All pilots will attend frequently at the office of the Deputy Conservator or Harbour Master to examine the latest plans and charts of the Port and other information concerning the Port.

(37) Dock Master and Pilot's Uniform.—Dock such uniform as may be prescribed by the Chairman. Master and Pilots shall wear on duty such uniform as may be prescribed by the Chairman.

(38) Interpretation.—If any question arises relating to the interpretation of these Regulations, it shall be referred to the Chairman, whose decision thereon shall be final.

(39) Repeal and savings.—All Regulations corresponding to these Regulations are hereby repealed :

(a) Provided that any order made or any action taken under the Regulations so repealed shall be deemed to have been made or taken under the corresponding provisions of these Regulations. Nothing in these Regulations shall be deemed to be repugnant to the Regulations framed by BPT under Licensing & Control of Pilots Regulations, 1975 or any other Rules framed by the Bombay

Port which are applicable when ships under the Pilotage charge of Jawaharlal Nehru Port Pilots are transiting the common user channel of Bombay.

(b) Full tonnage pilots of Bombay Port shall be eligible for grant of exemption from the provision of these Regulations as relate to the grant of Jawaharlal Nehru Port Pilotage License, provided an exemption in writing is granted by the Deputy Conservator, Jawaharlal Nehru Port, who shall satisfy himself that the applicant is familiar with the Jawaharlal Nehru Port's channel contours, navigational aids disposition and the navigational rules in force in Jawaharlal Nehru Port.

